ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–66
दिनांक– मंगलवार, 02 सितम्बर, 2025

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.6 एवं 25.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 94.0 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 79.0 प्रतिशत, हवा की औसत गति 8.5 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 5.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.1 एवं दोपहर में 36.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मैसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(03–07 सितम्बर, 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 03 से 07 सितम्बर, 2025 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधी में आसमान में हलके से मध्यम बदल देखे जा सकते है। इस अवधी में आमतौर पर मौसम के शुष्क रहने की सम्भावना है। स्थानीय स्तर पर कही – कही हलकी वर्षा हो सकती है। 3–4 सितम्बर के आसपास सारण, सिवान, गोपालगंज, पूर्वी चम्पारण, एव पश्चिम चम्पारण के जिलों में कही – कही वर्षा हो सकती है।
- इस अवधी में अधिकतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। इस अवधि में अधिकतम तापमान 34–36 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान 26–28 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85–95 प्रतिशत के आसपास तथा दोपहर में 40–45 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 12 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पूर्वा हवा चलने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- धान की फसल में खैरा बीमारी दिखाई पड़ने पर खेतों में जिंक सल्फेट ५.० किलोग्राम तथा २.५ किलोग्राम बुझा चूना का ५०० लीटर पानी में घोल बना कर एक हेक्टेयर में छिड़काव करें।
- धान की फसल में पत्ती लपेटक (लीफ फोल्डर) कीट की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू धान के पत्तियों के दोनो किनारों को रेशमी धागे से जोड़कर उसके अन्दर रहते है तथा पत्तियों की हरीत्तिमा को खाता है। इस प्रकार का लक्षण दिखने पर बचाव के लिए करताप हाईड्रोक्लोराईड दाने-दार दवा का १० किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से व्यवहार करें।
- गन्ना की फसल में स्थम्भन करे। इसके लिए एक पंक्ति की गन्ना को दूसरे पंक्ति के तरफ झुकाते हुए पत्ती– रस्सी विधि से गन्ने की बंधाई करनी चाहिए गन्ना बंधाई के लिए नीचली सूखी पत्तियों और कुछ हरी पत्तियों का इस्तेमाल करना चाहिए। इस विधि से गन्ना की बंधाई करने पर हथिया नक्षत्र की तेज हवा और बारिस के समय गन्ना गिरने से बच जाता है।
- टमाटर की नर्सरी उथली क्यारियों में पंक्तियों में गिरावें। इसके लिए अर्का विकास, अर्का अभेद, अर्का अभिजीत, अर्का सौरभ, संकर किस्मे - अर्का सम्राट, अर्का अपेक्षा, पूसा दिव्या अर्का, वरदान, मिर्च, बैगन, टमाटर की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते है जिससे पौध के पत्ते टेढ़े-मेढ़े होकर सिकुड़कर रोगग्रस्त हो जाते है। यह बड़ी तेजी से एक-पौधें से दुसरे पौधे में फैलता है। इससे बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का ०.३ मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- बैगन की तैयार पौध की रोपाई करें। रोपनी से पहले १ ग्राम फ्युराडान ३ जी० दानेदार दवा प्रति पौधा की दर से जड़ के पास मिट्टी में मिला कर रोपनी करें।
- धनबाल निकलने की अवस्था में जो मक्का की फसल आ गयी हो उसमें ३० किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें ।
- मूली की अगात किस्मों की बुआई करें। इसके लिए *पूसा चेतकी, पूसा देशी, पूसा हिमानी, जौनपुरी जापानी सफेद, पूसा रश्मि, जापानी सफेद, पंजाब सफेद, अर्का निशान्त* आदि प्रभेद अनुशंसित है। बीजदर ४ से ५ कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर तथा २५ X१० से०मी० की दुरी पर बुआई करें।
- पत्तागोभी की अगात किस्मों की बुआई नर्सरी में करें। इसके लिए *प्राइड ऑफ इण्डिया, गोल्डेन एकर, पूसा मुक्ता, पुसा अगेती एवं अर्ली ड्रम हेड* किस्में अनुशंसित है।

आज का अधिकतम तापमानः 32.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 26.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी